दर्शन शब्द के स्वरूप 2.7.20
B.A I (Sub)

भारतीय दर्शन दार्शनिक चिन्तन की वह प्रक्रिया है जो भारत में लगातार कम से कम तीन हजार वर्षों से विकसित हुई है। वेद में भारतीय दर्शन की मूल प्रवृत्ति सतत और सजग रूप से मिलती है

दर्शन शब्द की व्युत्पत्ति दृश धातु ल्युट् (अन) प्रत्यय लगाने से हुई है जिसका अर्थ होता है जिसके द्वारा देखा जाये अर्थात सत्य के वास्तविक स्वरूप को जानने का प्रयास। दर्शन शब्द को अंग्रेजी में (Philosophy) कहते हैं जो ग्रीक शब्द फिलास सोफिया से निकला है। जिसका शाब्दिक अर्थ होता है ज्ञान के प्रति अनुराग अथवा विद्या-प्रेम

भारतीय दर्शन का सृजन दुःखों से मुक्ति पाने को हुआ है। यहाँ ज्ञान की चर्चा ज्ञान के लिए न होकर मोक्षानुभूति के लिए हुई है मोक्ष का अर्थ होता है समस्त दुःखों का अन्त मोक्ष को परम लक्ष्य मानने के फलस्वरूप भारतीय दर्शन को मोक्ष दर्शन भी कहा जाता है प्रो० मैक्स मूलर के अनुसार "भारत में दर्शन का अध्ययन सिर्फ ज्ञान की प्राप्ति के लिए नहीं बल्कि जीवन के परम उद्देश्य की प्राप्ति हेतु किया जाता है।"

दर्शन एवं धर्म का सम्बन्ध सदैव घनिष्ठ रहा है। भारतीय दर्शन

का मूल मंत्र है आत्मा का साक्षात अनुभव करने से होता है और अनुभव श्रवण मनन एवं निदिध्यासन से होता है।

भारतीय दर्शन को दो संप्रदायों में बाँटा जाता है (1) आस्तिक (2) नास्तिक। भारतीय विचारधारा में आस्तिक उसे कहा जाता है जो वेद की प्रामाणिकता में विश्वास करता है और नास्तिक उसे कहा जाता है जो वेद को प्रामाणिक नहीं मानता है। भारतीय दर्शन में छः दर्शन आस्तिक हैं। वे हैं- (1) न्याय (2) वैशेषिक (3) सांख्य (4) योग (5) मीमांसा (6) वेदान्त। इन्हें षड् दर्शन के नाम से जाना जाता है और नास्तिक दर्शन के अन्तर्गत - (1) चार्वाक (2) बौद्ध (3) जैन को रखा गया।

भारत के सभी दार्शनिकों चार्वाक को छोड़कर संसार को दुःख मय मानते हैं तथा इस दुःख से छुटकारा पाने के लिए मार्गों की व्याख्या की है। दुःख तीन प्रकार के होते हैं- आध्यात्मिक आधि भौतिक एवं आधि दैविक। दर्शन में इस बात पर बल दिया गया है कि मनुष्य अपने दुःखों का निरोध कर सकता है। भारत में दुःख निरोध को मोक्ष कहा जाता है मोक्ष अवस्था में दुःखों का पूर्ण अभाव हो जाता है सांख्य एवं शंकर के अनुसार मानव अपने ज्ञान के द्वारा मोक्ष को प्राप्त कर सकता है अर्थात वस्तु के यथार्थ स्वरूप को मनुष्य जान लेता है तब मोक्ष सहज प्राप्त हो जाता है।